बाल गंगाधर तलिक

//

बाल गंगाधर तिलक
(23 जुलाई 1856 - 1 अगस्त 1920)
पूर्ण स्वतंत्रता या स्वराज्य के सबसे शुरुआती व सबसे मुखर समर्थकों में से एक
संक्षिप्त विवरण
इन्हें लोकमान्य तिलक के नाम से भी जाना जाता है
महात्मा गांधी ने उन्हें "आधुनिक भारत का निर्माता" कहा था
शिक्षाविद: एक विपुल लेखक और पत्रकार
संबंधित संस्थान: डेक्कन एजुकेशन सोसाइटी (1884) और फर्ग्यूसन कॉलेज (1885)
सामाजिक और राजनीतिक योगदान
विचारधारा: एक धर्मनिष्ठ हिंदू; लोगों को जागृत करने के लिये हिंदू धर्मग्रंथों का उपयोग किया
कॉन्ग्रेस में भूमिका: 1890 में शामिल हुए; सूरत विभाजन (1907) में महत्वपूर्ण भूमिका - उग्रवादी सूरत अधिवेशन की अध्यक्षता करना चाहते थे
नारा: "स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है, और मैं इसे लेकर रहूँगा!"
लाल-बाल-पाल तिकड़ी: लाला लाजपत राय और बिपिन चंद्र पाल के साथ इन्होने उग्रवादी समूह का नेतृत्त्व किया
स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान
स्वदेशी आन्दोलन का प्रचार किया
एनी बेसेंट के साथ भारतीय होम रूल आंदोलन का नेतृत्त्व किया
अप्रैल 1916 में अखिल भारतीय होम रूल लीग की स्थापना की
लखनऊ समझौता (1916) - राष्ट्रवादी संघर्ष में हिंदू-मुस्लिम एकता के लिये तिलक की नेतृत्व वाली कॉन्ग्रेस और जिन्ना की अध्यक्षता वाली अखिल भारतीय मुस्लिम लीग के बीच हस्ताक्षरित
साहित्यिक कार्य
समाचार पत्र: "केसरी" (मराठी) और "द मराठा" (अंग्रेज़ी)
पुस्तकें: गीता रहस्य (उनकी प्रसिद्ध रचना) और द आर्कटिक होम ऑफ द वेदाज़
Drishti IAS